प्रतिदिन अखबार

पास-पडोस

12

अमरावती, रविवार, 1 अगस्त 2021

हजारों को अन्नदान करने वाला नानक रोटी ट्रस्ट

हजारों जरूरतमंदों को अन्नदान करने वाली नानक रोटी ट्रस्ट, अमरावती का सोमेश्वर पुसदकर लोकगौरव पुरस्कार के लिए चयन किया गया है. सोमवार, 2 अगस्त को स्थानीय हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल के ऑडिटोरियम में ज्येष्ठ नेता बी.टी. देशमुख की अध्यक्षता में पालकमंत्री यशोमति ठाकुर, राज्यमंत्री बच्चू कडू, गिरीश गांधी तथा मंडल के प्रधान सचिव प्रभाकरराव वैद्य की प्रमुख उपस्थिति में नानक रोटी ट्रस्ट को 1 लाख रु., सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया जाएगा.

कोरोना के संकटकालीन समय में ही नहीं बल्कि अभी भी नानक रोटी ट्रस्ट की ओर से नियमित रूप से बस स्थानक अथवा रेलवे स्टेशन के जरुरतमंद अपरिचित यात्री, दशहरा मैदान अथवा शहर के अनेक क्षेत्रों में रहने वाले मजदूर वर्ग, अस्पतालों में भर्ती मरीज तथा उनके रिश्तेदारों को भोजन उपलब्ध करवाने का पवित्र काम पिछले दो वर्षों से निरंतर रूप से किया जा रहा है. नानक रोटी ट्रस्ट की शुरुआत कैसे हुई, ऐसा पूछे जाने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि 'सब प्रभु का कर्म है, हम तो सिर्फ सेवादार हैं.' संस्था के 100 से अधिक कार्यकर्ता बिना किसी प्रतिष्ठा व प्रसिद्धि, मोह के दीन-हीन नागरिकों को भोजन उपलब्ध करवाने का काम लगातार कर रहे हैं.

सिख समुदाय के आद्य धर्मगुरु गुरुनानक के आदर्शों को शिरोधार्य करके अमृतवेला नामक ट्रस्ट के आद्य संस्थापक भाई गुरुप्रीतसिंह उर्फ रिंकू वीरजी के मार्गदर्शन में नानक रोटी ट्रस्ट के सेवा कार्यों की अमरावती में तीन वर्षों पूर्व शुरुआत हुई. 'गरीब का मुख, गुरु की गोलक' इस ब्रिद वाक्य के अनुरूप अमरावती में शंकर ओटवानी की अध्यक्षता में इस संस्था का बीजारोपण हुआ. 'नाम जपो, धर्म किर्त आणि वंद चखो' अर्थात प्रभु का नाम स्मरण नियमित रूप से करें, ईमानदारी व मेहनत से कमाई करें तथा अन्न का प्रत्येक कण बांटकर खाओ. धर्म के इन तीन आदर्श तत्वों का पालन संस्था की ओर से किया जाता है.

नानक रोटी ट्रस्ट की ओर से रोजाना लगभग 2 हजार जरुरतमंदों को अत्यंत मनोभाव से भोजन कराया जाता है. संस्था की ओर से दिया जाने वाला भोजन अत्यंत सुग्रास, रुचकर, गर्म तथा आकर्षक पैकिंग में संस्था के सेवादारों के हस्ते गरीब व निराधारों को दिया जाता है. शहर के प्रमुख चौक व शासकीय अस्पतालों के समक्ष नियमित रूप से संस्था की गाड़ी रोजाना आकर अन्नदान करती है. अत्यंत अनुशासित रूप से यह उपक्रम निरंतर शुरू रहता है. संस्था के कर्तव्यदक्ष सचिव राजकुमार दुर्गाई, कोषाध्यक्ष मनोज पुरसवानी, संदीप हसनानी, निकेश प्रथानी, गणेश थावरानी, इंद्रकुमार लुल्ला, अजय पिंजानी, श्यामलाल पिंजानी, अमर कुकरेजा, किशनचंद पिंजानी, कीमतराम धनकानी, तुषार नागदेव आदि महानुभाव इस उपक्रम हेतु निरंतर प्रयासरत रहते हैं. अपना-अपना व्यवसाय संभाल कर वे सभी सेवादार अधिकाधिक समय इस उपक्रम को देते हैं. संस्था के सेवादार हर ऋतु में चाहे वह ग्रीष्मकाल हो, बारिश हो अथवा शीतकाल हो, संस्था की ओर से रोजाना 2 हजार लोगों को समय पर भोजन उपलब्ध करवाने का कार्य नानक रोटी ट्रस्ट की ओर से नियमित किया जाता है.

संस्था के दानदाताओं द्वारा दी गई सहायता से दो टाटा एस वाहन खरीदे हैं. इन्हीं वाहनों में भोजन गर्म रहने के लिए हॉटपॉट की व्यवस्था भी की गई है. अत्यंत स्वच्छ बर्तनों में पूरी सुरक्षा बरतते हुए तथा अनुशासित ढंग से भोजन वितरित किया जाता है. अब तो भोजन के वाहन के साथ ही थर्मो डायनामिक्स का उपयोग बाह्य भाग में करके लाभार्थियों को शीतल व शुद्ध पेयजल वितरित करने हेतु अलग से वाहन तैयार किया जा रहा है तथा शीघ्र ही यह वाहन शहरवासियों की सेवा में उपलब्ध होगा.

नानक रोटी ट्रस्ट की ओर से जरुरतमंदों को गर्म कपड़े, ब्लैंकेट का वितरण भी किया जाता है. ट्रस्ट के कार्यकर्ता रात में शहर में घूमकर खुले में, सार्वजनिक स्थानों पर सोए बेघरों के शरीर पर ब्लैंकेट डालकर चुपचाप निकल जाते हैं. पुरस्कार प्राप्त ट्रस्ट के सदस्यों से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि अभी भी हम शहर के सभी जरुरतमंदों तक नहीं पहुंच पाए हैं.

प्रत्येक व्यक्ति ने यदि अपनी आय से कुछ रकम सहायता के स्वरूप में हमारे जैसी संस्था को दान देने पर शहर का एक भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा. इन दिनों बड़ी संख्या में शहरवासी अपने घर के विवाह समारोह, जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ जैसे मंगल प्रसंगों पर अन्नदान करने हेतु दान देते हैं, यह बात संस्था के पदाधिकारियों ने विशेष रूप से कही. तो चलिए, हम भी इस उपक्रम में फूल नहीं तो फूल की पंखुड़ी ही देकर नानक रोटी ट्रस्ट के इस सेवाभावी उपक्रम को मजबूत बनाएं.

– डॉ. अविनाश असनारे,
संगाबा अमरावती विद्यापीठ,
शारीरिक शिक्षा विभाग

'उमेद' को लेकर होगी दो महिला नेत्रियों में भिड़ंत

महामंडल को हस्तांतरित करने के खिलाफ हैं सांसद नवनीत राणा

मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

इस मामले में सांसद सौ. नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, केन्द्रीय ग्राम विकास मंत्री नरेन्द्रसिंग तोमर तथा राज्य के ग्राम विकास मंत्री हसन मुश्रीफ को भी ज्ञापन भेजकर उमेद का महिला आर्थिक विकास महामंडल में हस्तांतरण रोकने की मांग की है.

प्रतिनिधि, 31 जुलाई

अमरावती - जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनके सक्षमीकरण के चलाए जा रहे महाराष्ट्र ग्रामीण जीवनोन्नती यानी उमेद अभियान को लेकर जिले में महिला नेत्रियों में रस्साकशी तेज हो गई है. महिला आर्थिक विकास महामंडल को उमेद हस्तांतरित करने को लेकर जिले की सांसद सौ. नवनीत रवि राणा ने आक्रामक रवैया अख्तियार किया है. इसे महिला आर्थिक विकास महामंडल को हस्तांतरित नहीं करने की मांग सौ. राणा ने की है. इसके लिए उन्होंने केन्द्रीय ग्राम विकास मंत्री नरेन्द्रसिंग तोमर के साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, ग्राम विकास मंत्री हसन मुश्रीफ सहित संबंधितों को पत्र भेजा है.

राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास

सांसद सौ. राणा के मुताबिक महिलाओं के सक्षमीकरण में महत्वपूर्ण उमेद के मामले में भी राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास किया जा रहा है. इस माध्यम से सौ. राणा ने अप्रत्यक्ष रूप से राज्य की महिला व बाल विकास तथा जिला पालकमंत्री पर निशाना साधने का प्रयास किया है. उमेद को लेकर जिले की सांसद और पालकमंत्री के बीच संघर्ष छिड़ने के संकेत मिले हैं.

2018 से किया जा रहा अमल

केन्द्र पुरस्कृत उमेद अभियान पर अमल अप्रैल 2018 से किया जा रहा है. पिछले तीन साल में 19,200 समूह, 1005 ग्राम संघ और प्रभाग संघ की स्थापना की गई है. इस अभियान में 1 लाख 92 हजार परिवार जोड़े गए हैं. उमेद अंतर्गत कार्यरत महिला संस्था, समूह, ग्रामसंघ, प्रभाग संघ और समुदाय संसाधन द्वारा जिले में बेहतरीन काम चल रहा है. अभियान को हस्तांतरित करने के बारे में किसी तरह की न तो मांग है और न ही इसके कामकाज को लेकर किसी तरह की शिकायत है. इसके बाद यंत्रणा सक्षम रहने के बाद भी महामंडल को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया क्यों शुरू की गई है, इस बारे में सांसद राणा ने ग्राम विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार से उत्तर चाहा है.

केन्द्र देती है 60 फीसदी निधि

इस अभियान के लिए केन्द्र से 60 फीसदी निधि आती है. उनकी अनुमति के बगैर अमरावती जिले में हस्तांतरण की प्रक्रिया नहीं चलाने, लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग भी सौ. नवनीत राणा ने की है.

साजिश का करेंगे पर्दाफाश

जिले के नेतृत्व पर स्वयं के हित के लिए उमेद को महिला आर्थिक विकास महामंडल को हस्तांतरित करने का आरोप लगाते हुए राणा ने कहा कि 2013 से महिलाओं के साथ जोड़े गए नाते तोड़ने की घटिया साजिश की जा रही है. महिलाओं द्वारा इस साजिश का पर्दाफाश करने तथा इसके खिलाफ आक्रामक आंदोलन के लिए महिलाएं तैयार रहने की चेतावनी भी दी.

उमेद का कार्य रहा बेहतरीन

महामंडल द्वारा 4486 तथा उमेद द्वारा 19199 समूह स्थापित किए गए. दोनों की तुलना करने पर उमेद द्वारा बेहतरीन काम करने की बात स्वयं ही साबित होती है. ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की यह तरक्की प्रस्थापितों के पेट में दर्द साबित हो रही है. महिला कल्याण, महिला सक्षमीकरण का दावा करने वाले नेतृत्व कष्ट करने वाले वंचित,दिव्यांग, निराधार, एकल, गरीब महिलाओं के लिए आगे आएंगे, ऐसा सवाल भी सांसद नवनीत राणा ने किया.

महिलाओं की तरक्की पच नहीं रही

सांसद तथा महिलाओं के अधिकारों के लिए सदैव आक्रामक रहने वाली सौ.नवनीत राणा के मुताबिक उमेद अभियान के कारण स्थानीय निकायों में 768 महिलाएं चुन कर आई हैं. महिलाओं की राजनीतिक कामयाबी प्रस्थापित सह नहीं पा रहे हैं. इस अभियान से हजारों स्वयं सहायता समूह तैयार किये गये हैं. समूह के माध्यम से होने वाला करोड़ों रूपए का कारोबार महामंडल के मुंह में डालने की साजिश रहने का आरोप बिना किसी का नाम लिए सांसद सौ. नवनीत राणा ने लगाया.

बजाज धर्मशाला में रक्तदान शिविर आज

संत निरंकारी मंडल शाखा का आयोजन

प्रतिनिधि, 31 जुलाई

अमरावती– संत निरंकारी मंडल शाखा की ओर से रविवार, 1 अगस्त को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन स्थानीय रामपुरी कैम्प स्थित बजाज धर्मशाला में किया गया है.'रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए.' ये उद्गार 1980 में सद्गुरु बाबा हरदेवसिंह साहब ने संसार, जो रक्त की कीमत नहीं जानते उनके प्रति और संसार में आपसी भाईचारा, एकता का भाव और एक-दूजे का सहारा बन जीवन जीने की आध्यात्मिक शिक्षाओं और जनमानस को 'मानव को मानव प्यारा, एक दूजे का बने सहारा', इस श्रृंखला से संत निरंकारी मंडल 1980 से लेकर आजतक मानवता की सेवा में तत्पर रहा है.2008 में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सेवा, साफ-सफाई अभियान, वृक्षारोपण, रक्दान शिविर और विगत दो सालों से कोरोना काल में मरीजों को हर तरह की सेवा प्रदान कर रहा है.

वक्त पड़े तो देश की खातिर देश के पहरेदार भी बने. इसके तहत प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ या भूकंप के समय इस मिशन के सेवादार हर तरह से देश के पहरेदार भी हरसंभव सहायता के लिए तैयार रहते है. सभी धर्मप्रेमी भव्य रक्तदान शिविर में सहयोग करे, ऐसी अपील संयोजक महेशलाल पिंजानी, संचालक अशोकलाल टिंडवानी एवं संत निरंकारी मंडल शाखा अमरावती के सेवादल भाई-बहनों ने किया है.

डॉ. सुनील देशमुख की उपस्थिति में विविध पक्ष के कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में प्रवेश

प्रतिनिधि, 31 जुलाई

बडनेरा– बडनेरा स्थित विविध पक्ष के कार्यकर्ताओं ने डॉ. सुनील देशमुख की उपस्थिति में कांग्रेस पक्ष में प्रवेश किया है. जूनी बस्ती, बडनेरा स्थित विविध पक्ष के कार्यकर्ताओं ने पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख के नेतृत्व पर विश्वास रखकर संदेश सिंघई (जैन) व अमरावती शहर कांग्रेस के महासचिव व पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश इंगळे के नेतृत्व में कांग्रेस पक्ष में प्रवेश किया. इस अवसर पर डॉ. सुनील देशमुख ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पक्ष का ध्येय व नीति के अनुसार कार्य करने के लिए आवश्यक बातों पर मार्गदर्शन किया व प्रवेश करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान किया. इस समय मंच पर पूर्व महासचिव कोमल बोथरा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सलीम मीरावाले उपस्थित थे. प्रमुखता से कार्यकर्ता व समाजसेवी राजू कातोरे, सुभाष राऊत, अरविंद ढोले, मनोहर लांडोरे, गुलाब दारोकार, अरविंद झलके, कलीम, गुलाब आकोटे, बाळू दारोकार, शेख नाजीम, अब्दुल राजिक, शुभम दारोकार, अब्दुल लतीफ शेख रहीम, अब्दुल रफिक, मोहम्मद कलीम, शेख कलीम, जमीउल्ला खान, मोहम्मद आरीफ, इरफान खान, मोहम्मद कासिम, अब्दुल आयाज, मोहम्मद साजीद, मोहम्मद आसीफ, प्रवीण मालपे, उमेश बान्ते, दर्शन भगत, मंगेश दूधे व प्रवीण दुधे आदि ने कांग्रेस पक्ष में प्रवेश किया है. इस कार्यक्रम में शेख नूर, सादिक अली, गजानन रडके, सुरेश गुप्ता, उमेश पाटणकर, रंजीत इंगळे व सुजल इंगळे उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन विनोद मोदी ने किया.

बैंक के समय से पूर्व ही महिला कैशियर ने काउंटर बंद किया

सेंट्रल बैंक की महिला कैशियर पर कार्रवाई की मांग

चांदूर रेलवे– सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की चांदूर रेलवे शाखा में बैंक की महिला कैशियर ने बैंक के आर्थिक व्यवहार का समय समाप्त होने से पूर्व ही दोपहर 3.45 बजे कैश काउंटर बंद करने की घटना शुक्रवार, 30 जुलाई को घटी. इस समय उपस्थित बैंक ग्राहकों द्वारा विनती करने के बाद भी महिला कैशियर ने रकम लेने से इनकार करने के कारण अनेकों को वापस लौटना पड़ा. इस घटना की लिखित शिकायत बैंक व्यवस्थापक से की गई है. चांदूर रेलवे स्थित साप्ताहिक बाजार परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा है. इस बैंक के आर्थिक कामकाज का समय प्रातः 10.30 से दोपहर 4 बजे तक है. शुक्रवार की दोपहर को अनेक ग्राहक अपने आर्थिक व्यवहार के लिए कैश काउंटर के समक्ष कतार में खड़े थे. दोपहर 3.45 बजे अनेक ग्राहकों के कतार में खड़े रहने के बावजूद भी कैशियर ने कैश काउंटर बंद कर दिया. उपस्थित ग्राहकों ने महिला कैशियर से कहा कि कामकाज का समय समाप्त होने में अभी 15 मिनट बाकी है, अतः वे ग्राहकों की रकम स्वीकार करें. मात्र कैशियर मैडम ने 3.45 बजे ही बैंक का आर्थिक व्यवहार बंद होने की बात कही तथा इस संबंध में उसकी शिकायत कहीं भी करने की बात ग्राहकों से कही. जिसके कारण उपस्थित ग्राहकों ने शाखा व्यवस्थापक से संपर्क किया. पश्चात बैंक व्यवस्थापक स्वयं कैशियर के कैबिन में आए तथा उन्होंने सभी ग्राहकों का व्यवहार पूर्ण करने की बात कैशियर से कही, किंतु महिला कैशियर ने मैनेजर की भी बात नहीं सुनी. इसके पश्चात प्रतीक्षा में खड़े तथा त्रस्त ग्राहकों ने शाखा व्यवस्थापक से लिखित शिकायतों का नियमबाह्य व्यवहार करने वाली महिला कैशियर पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की. इस अवसर पर बैंक के ग्राहक प्रा. रवींद्र मेंढे, इमरान पठान, विलास डोळस आदि उपस्थित थे.

वस्त्रोद्योग आयुक्त के आदेश को स्थगिति

संवाददाता, 31 जुलाई

धामणगांव रेलवे– तहसील के वाघोली स्थित गजानन सहकारी सूतगिरणी की फर्जी शिकायत राजनीतिक उद्देश्य से करने के साथ वस्त्रोद्योग आयुक्त द्वारा सूतगिरणी पर प्रशासक नियुक्ति की कार्रवाई को नियमबाह्य करार देते हुए मुम्बई हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने वस्त्रोद्योग आयुक्त के आदेश को स्थगिति दी है.

पूर्व विधायक प्रा. वीरेंद्र जगताप ने 20 अगस्त 2020 को सूतगिरणी की शिकायत राज्य के वस्त्रोद्योग विभाग से की थी. जिसके बाद वस्त्रोद्योग आयुक्त ने धामणगांव के सहायक निबंधक की नियुक्ति सूतगिरणी पर बतौर प्रशासक की थी.

इस आदेश को गजानन सहकारी सूतगिरणी ने मुम्बई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ में चुनौती दी. जिसकी सुनवाई में सूतगिरणी की ओर से आरोप लगाया कि बगैर किसी जांच राजनीतिक हस्तक्षेप में वस्त्रोद्योग आयुक्त द्वारा कार्रवाई की गई.

बदले की भावना से कार्रवाई

अमरावती जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक में चल रही आर्थिक गड़बड़ी को उजागर करने के चलते बदले की भावना से सूतगिरणी पर यह आरोप लगाए जाने की बात विधायक प्रताप अड़सड़ ने पहले ही स्पष्ट की है. अड़सड़ ने पूर्व विधायक जगताप पर तंज कसते हुए सवाल पूछा है कि विगत 15 वर्षों से सूतगिरणी की झूठी शिकायतें कर रहे हैं और कितने दिन वे राजनीतिक दबाव डालते रहेंगे.

1859 से अंग्रेज सरकार ने बनाने शुरू किए थे सरकारी भवन-कार्यालय

153 साल पूर्व हुआ था 45183 रूपए में निर्माण , फाउंडेशन स्टोन की गलती सुधारें-अशोकभाई जोशी

प्रतिनिधि, 31 जुलाई

अमरावती - भारत में अंग्रेजों का राज्य आने के बाद वर्ष 1859 से सरकारी भवन और कार्यालय बनाना शुरू किया था. उन्हीं दिनों अनेक भवनों के साथ ही जोग चौक स्थित एसडीएम कोर्ट,तहसील, मालखाना और कुएं का निर्माण किया गया था. अंग्रेजों के समय निर्मित तहसील कार्यालय का कुआं आज भी हजारों लोगों की रोज प्यास बुझाने के साथ ही कईयों की आजीविका का माध्यम बना है. कुएं का शीतल मधुर जल सभी को प्रभावित करता है. इसका निर्माण 1868 में किया गया था. उस समय इस पर कुल 45183 रूपए का खर्च आने के पुख्ता प्रमाण रहने का दावा वरिष्ठ पत्रकार और इतिहास प्रेमी अशोकभाई जोशी ने किया है. मुख्य डाकघर इमारत के फाउंडेशन स्टोन में साल में गड़बड़ी रहने के साथ ही अंग्रेजी स्पेलिंग में भी गलती की बात कहते हुए इसे तत्काल सुधारने का आग्रह जिलाधिकारी पवनीत कौर से किया है. 153 साल पहले निर्मित एसडीएम, तहसील कार्यालय की इमारत आज भी खड़ी है. इससे भ्रष्टाचार रहित होने वाले निर्माण कार्य किस तरह मजबूत हो सकते हैं, इसका अनुभव किया जा सकता है. इसके बाद हेड पोस्ट ऑफिस और तार ऑफिस का निर्माण हुआ. एसडीएम कोर्ट परिसर में निश्चित तौर पर फाउंडेशन स्टोन लगा होना चाहिए लेकिन वह कहीं जमीन में दबा होने की आशंका फोटोग्राफर तथा इतिहास प्रेमी अशोकभाई जोशी ने जताई. इसका पता लगाने का आग्रह उन्होंने जिलाधिकारी पवनीत कौर से किया है.

1871 में डाकघर का निर्माण

इतिहास प्रेमी वरिष्ठ पत्रकार अशोकभाई जोशी के मुताबिक वर्ष 1871 में मुख्य डाकघर और तार घर का निर्माण किया गया. इस पर उस समय 16871 रूपए खर्च होने का सरकारी रिकार्ड है. लेकिन तहसील की दीवार में लगे फाउंडेशन स्टोन पर 1937 में निर्माण होने का उल्लेख किया गया है. ए कोरोनेशन समय पर किंग जार्ज छठें के सम्मान में लगाया गया था. इस आधारशिला के कारण संभ्रम उत्पन्न होता है.

साथ ही निर्माण के साल को लेकर भी संभ्रम वाली स्थिति पैदा होती है. यह भवन लगी आधारशिला पत्थर के कारण 1937 में बनने की बात कही जा रही है लेकिन इतिहास प्रेमी अशोकभाई जोशी के मुताबिक भवन का निर्माण 1868 में किया गया है.

जिलाधिकारी से आग्रह

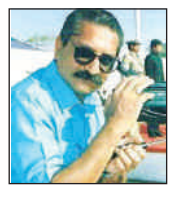

वरिष्ठ पत्रकार अशोकभाई जोशी ने पुरातन वास्तु का खोया गौरव फिर से प्रस्थापित करने यहां पर सुधारित फाउंडेशन स्टोन लगाने और हाल ही में कम्पाउंड वॉल पर लगे फाउंडेशन स्टोन पर कोरोनेशन की स्पेलिंग में हुई खामी को भी दुरूस्त करने का आग्रह किया है. कोरोनेशन के सी की बजाय यहां पर जी लिखा गया है. इसे तुरंत सुधारने की गुजारिश भी अशोकभाई जोशी ने की है. साथ ही विश्वास जताया है कि अमरावती के सत्य इतिहास की रक्षा के लिए वे तत्काल समुचित कदम उठाएंगी. देखना यह है कि जिलाधिकारी मामले में क्या कदम उठाती हैं. उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों के समय की निर्मित कई इमारतें आज भी शहर में शान से खड़ी हैं और अपनी बेजोड़ मजबूती तथा निर्माण कुशलता का सबूत दे रही हैं.

सोफा, आलमारी, दिवाण, डायनिंग, मंदिर
हरिश इलेक्ट्रॉनिक्स &फर्निचर
Finance Available
वालकट कम्पाउंड धर्मदाय कॉटन फंड रोड, अमरावती, 0721-2574256, 9823935877

LED + Freeze वाशिंग मशीन, प्यूरी फायर
हरिश इलेक्ट्रॉनिक्स &फर्निचर
0% Finance Available
वालकट कम्पाउंड धर्मदाय कॉटन फंड रोड, अमरावती, 0721-2574256, 9823935877